

## खलंगा आरक्षति वन

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में देहरादून के स्थानीय नवािसी **खलंगा आरक्षति वन** में **2,000 साल वृक्षों** को बचाने के लिये एकजुट हुए। वृक्षों की कटाई के खिलाफ जनता के वरिध के कारण, राज्य सरकार नयिजति पेयजल संयंत्र को जंगल से स्थानांतरति करेगी।

### मुख्य बदि:

- पर्यावरण कार्यकर्त्ताओं ने **सोंग बाँध पेयजल परयिजना** के लिये **खलंगा आरक्षति वन में 2000 साल वृक्षों को चहिनति करने का वरिध कयिा**, जसिसे स्थानीय लोगों में गहरी नाराज़गी उत्पन्न हो गई और उन्होंने परयिजना के खिलाफ वरिध प्रदर्शन शुरू कर दयिा।
- जागरूकता फैलाने के लिये** सोशल मीडयिा पर **अभयिान चलाया गया** और कुछ समूहों ने वृक्षों पर रक्षासूत्र बाँधे।
- देहरादून में **सोंग बाँध परयिजना** के अंतरगत 524 करोड़ रुपए की पेयजल परयिजना बनाई जाएगी, जसिकी अनुमानति कुल लागत 3000 करोड़ रुपए है।
  - इस परयिजना में सोंग बाँध के नकिट एक **जलाशय का नरिमाण** तथा **4.2 हेक्टेयर भूमि** पर 150 MLD (मेगालटिर प्रतदिनि) **जल उपचार संयंत्र का नरिमाण शामिल है**।
  - इस परयिजना का उद्देश्य **कनार गाँव से राजधानी के 60 वार्डों को पेयजल आपूर्तकिरना है**, जसिसे अंततः देहरादून के 60 वार्डों को लाभ होगा।

### साल वृक्ष



- [श्रीशाला \(Shorea robusta\)](#) या साल वृक्ष, डप्टेरोकार्पेसी परिवार का एक वृक्ष प्रजाति है।
- यह वृक्ष भारत, बांग्लादेश, नेपाल, तबिबत और [हिमालयी क्षेत्रों](#) का मूल नवासी है।
- **वविरण**
  - यह 40 मीटर तक ऊँचा हो सकता है तथा इसके तने का व्यास 2 मीटर होता है।
  - पत्तियाँ 10-25 सेमी. लंबी और 5-15 सेमी. चौड़ी होती हैं।
  - आरद्र क्षेत्रों में साल सदाबहार होता है; शुष्क क्षेत्रों में यह शुष्क ऋतु में पर्णपाती होता है, जिसके अधिकांश पत्ते फरवरी से अप्रैल तक गरि जाते हैं और अप्रैल तथा मई में पुनः पत्ते निकल आते हैं।
  - साल वृक्ष को मध्य प्रदेश, ओडिशा और झारखंड सहित उत्तरी भारत में सखुआ के नाम से भी जाना जाता है।
  - यह दो भारतीय राज्यों- छत्तीसगढ़ और झारखंड का राज्य वृक्ष है।
- **संस्कृति**
  - हद्वि परंपरा में साल वृक्ष को पवतिर माना जाता है। इसे भगवान वषिणु से भी जोडा जाता है।
  - इस वृक्ष का सामान्य नाम 'साल' शब्द 'शाला' से आया है, जिसका संस्कृत में अर्थ 'प्राचीर' होता है।
  - जैन धर्मावलंबियों का मानना है कि 24वें तीर्थंकर महावीर को साल वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।
  - बंगाल की कुछ संस्कृतियों में सरना बूढी की पूजा की जाती है, जो साल वृक्षों के पवतिर उपवनों से जुडी देवी है।
  - बौद्ध परंपरा के अनुसार शाक्य की रानी माया ने दक्षिण नेपाल के लुंबिनी के एक बगीचे में साल वृक्ष या अशोक वृक्ष की शाखा को पकडते हुए गौतम बुद्ध को जन्म दिया था।
  - बौद्ध परंपरा के अनुसार, बुद्ध की मृत्यु के समय वे साल वृक्षों के बीच वशिराम कर रहे थे।